भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–15 मई, 2017

बुरकापाल एंबुश के बाद सरकारी सशस्त्र बलों द्वारा जारी श्वेत आतंक व आदिवासियों की हत्याओं के खिलाफ आवाज बुलंद करने की अपील!

विगत 11 मार्च एवं 24 अप्रैल को हमारी पीएलजीए द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिए गए कोत्ताचेरु, बुरकापाल एंबुशों के बाद आस–पास के इलाकों में सरकारी सशस्त्र बल आदिवासी जनता पर कहर बरपा रहे हैं. हर दिन गश्त संचालित करते हुए दर्जनों ग्रामीण युवक–युवतियों को पकड़कर, अपने कब्जे में रखकर बुरकापाल एंबुश में शामिल माओवादियों के नाम पर उनमें से कइयों की झूठी मुठभेडों में निर्मम हत्या कर रहे हैं. इलाके में सरकारी सशत्र बल आतंक व दहशत पैदा कर रहे हैं. आम आदमी पार्टी की सोनी सोढ़ी एवं अन्य जनवादी ताकतों द्वारा बुरकापाल के बामन की फर्जी मुठभेड हत्या का पर्दाफाश तो हो ही गया है. मई 11 से 16 के बीच में बुरकापाल हमले में शामिल माओवादियों के नाम पर 15 आदिवासी ग्रामीण युवकों की जघन्य हत्या की गयी जिसकी हमारी पार्टी कड़ी निंदा करती है. इन हत्याओं के लिए संयुक्त सशस्त्र बलों के कमांडर–इन–चीफ रमण सिंह को जिम्मेदार ठहराती है. हम जनता, जनवादियों, प्रगतिशील ताकतों, आदिवासी व गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों, सर्व समाज, सर्व आदिवासी समाज, देशभर के मानवाधिकार संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के पत्रकारों, विपक्षी राजनीतिक दलों व वामपंथी पार्टियों से अपील करते हैं कि वे सच्चाई को जनता के सामने लाने के लिए अपने–अपने जांच दल गठित करके या व्यक्तिगत तौर पर इलाके का दौरा करें, मुठभेडों की असलियत को सामने लावें, फर्जी मुठभेडों का भंडाफोड़ करें. हमारी पार्टी, पीएलजीए, जन संगठन, जनता ना सरकारें व जनता जांच–पड़ताल में आप लोगों की हर संभव सहयोग करेगी.

साथ ही हमारी पार्टी यह ऐलान करती है कि मुठभेडों, फर्जी मुठभेडों, महिलाओं पर अत्याचारों को अंजाम देने वाले सरकारी सशस्त्र बलों का, पाशविक दमन अभियान ग्रीनहंट का जनता के सक्रिय सहयोग से पीएलजीए हिम्मत व साहस के साथ डटकर मुकाबला करेगी, जनता की जान–माल की सुरक्षा खातिर बुरकापाल जैसे हमलों को बार–बार संचालित करेगी. विगत 14 मई को हमारे पूर्व बस्तर डिविजनल कमेटी के सदस्य कॉमरेड विलास उर्फ कैलाश को मार गिराने का पुलिस ने दावा किया लेकिन वह भी फर्जी मुठभेड में. हमारे कॉमरेड को धोखे से अकेले में पकड़कर उनकी हत्या की गयी.

दरअसल कोत्ताचेरु, बुरकापाल हमलों के बाद केंद्र, राज्य सरकारें बौखलायी हुई हैं. सुकमा से लेकर दिल्ली तक मैराथान बैठकें आयोजित की गयी. नयी रणनीतियां बनायी गयी. वैमानिक, हेलिकॉप्टर व ड्रोन हमलों की योजना बनायी गयी. टारगेटेड हमलों का निर्णय लिया गया है. बस्तर में जगह–जगह नए थानों–कैंपों के अलावा हवाई पट्टियों, हवाई अड्डों, हेली पैडों का जबरन जनता की मांग या अनुमति के बगैर ही उनकी जमीनें छीनकर निर्माण किया जा रहा है. संयुक्त कमानों का जिला स्तर पर विस्तार कर रहे हैं. प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राजनाथ सिंह, अजित डोभाल, विजय कुमार एवं भारतीय थल सेना व वायु सेना के उच्चाधिकारी मिलकर नयी रणनीति की रूपरेखा तैयार की गयी है. इस रणनीति का मुख्य हिस्सा हमारी पार्टी व पीएलजीए को जनता से अलग–थलग करना. हमारे खुफियातंत्र द्वारा उपलब्ध गुप्त सूचनाओं के जरिए हमें यह पता चला है कि नयी रणनीति के तहत संघर्ष के मजबूत इलाकों में जनता का कत्लेआम करके यानी कई नरसंहारों को अंजाम देकर जनता के बीच में दहशत फैलाने की साजिश रची गयी है. हमारी पार्टी देश, दुनिया के तमाम जनवादी–प्रगतिशील बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों व कार्यकर्ताओं, इतिहासकारों, मानवविज्ञानियों, मजदूर संगठनों, माओवादी पार्टियों व संगठनों से अपील करती है कि माओवादी उन्मूलन अभियान के तहत दण्डकारण्य खासकर बस्तर में सरकारों के द्वारा जारी पाशविक दमन खासकर आदिवासी हनन के विरोध में अपनी आवाज बुलंद करें. वैमानिक, हेलिकॉप्टर व ड्रोन हमलों के निर्णय के खिलाफ हर संभव–कानूनी, खुला एवं सभी तरीके अपनाकर आगे बढ़ें.

विकल्प

(विकल्प)

प्रवक्ता

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)